पंजाब / हरियाणा

राजधानी

**मौसम**

पूर्वानुमान: नगर में आसमान साफ रहने की संभावना।

तापमान: ▲ 27.1 डिग्री, ▼ 12.4 डिग्री

सूर्योदय: 07:02 सूर्यास्त: 06:11



## हरियाणा के कालेजों में गैरशिक्षक कर्मियों के होंगे आनलाइन तबादले

चंडीगढ़, 16 फरवरी (जनसत्ता)।

हरियाणा के राज्यपाल ने प्रदेश के सरकारी महाविद्यालयों में कार्यरत गैरशिक्षक कर्मचारियों (डिप्टी सुपरिटेंडेंट, असिस्टेंट, स्टेनो टाइपिस्ट, क्लर्क, लैबोरेटरी अटेंडेंट और जूनियर लेक्चर असिस्टेंट) ग्रुप-सी काडर के लिए ऑनलाइन स्थानांतरण नीति को मंजूरी दे दी है। यह नीति राजकीय कॉलेजों में नियमित आधार पर कार्यरत कॉलेज काडर ग्रुप- सी/मिनिस्ट्रीयल स्टाफ, जहां स्वीकृत पदों की संख्या 80 या उससे अधिक हो, पर लागू होगी।

उच्चतर शिक्षा विभाग के एक प्रवक्ता ने बुधवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि डिप्टी सुपरिटेंडेंट, असिस्टेंट, स्टेनो टाइपिस्ट, क्लर्क, लैबोरेटरी अटेंडेंट और जूनियर लेक्चर असिस्टेंट की विभिन्न स्थानों पर निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग से तैनाती सुनिश्चित करने तथा उनमें कार्य संतुष्टि बढ़ाने व उनके प्रदर्शन में सुधार लाने के उद्देश्य से इस नीति को तैयार किया गया है।

# पंजाब में फिर बनेगी कांग्रेस सरकार, हरीश रावत का दावा

### कहा, मुख्यमंत्री चन्नी के भतीजे से जब्त 10 करोड़ की राशि पंजाब के लिहाज से कुछ भी नहीं

चंडीगढ़, 16 फरवरी (जनसत्ता)।

पंजाब कांग्रेस के पूर्व प्रभारी एवं पार्टी महासचिव हरीश रावत का दावा है कि कांग्रेस में एक बार फिर कांग्रेस की सरकार बनेगी क्योंकि प्रदेश में एकमात्र कांग्रेस ही है जो स्थिरता, शांति और विकास दे सकती है।

बता दें कि रावत स्वयं भी उत्तराखंड में कांग्रेस की ओर से मुख्यमंत्री पद के दावेदार हैं। उनके मुताबिक, चरणीत सिंह चन्नी आने वाले समय में बेहतर मुख्यमंत्री साबित होंगे। यह बात उन्होंने जनसत्ता से विशेष बातचीत में कही।

चन्नी को मुख्यमंत्री का चेहरा बनाए जाने के बाद क्या कांग्रेस ने सिद्धू को खत्म कर दिया है, क्योंकि वह तो अब अन्य प्रत्याशियों के लिए प्रचार तक नहीं कर रहे। जवाब में रावत ने कहा कि ऐसा नहीं है। वह हमारी बड़ी जंग का बारूद हैं।

जब उनसे पूछा गया कि पंजाब में आज बदलाव की बहुत बात हो रही है तो ऐसे में कांग्रेस के विधानसभा चुनाव में जीत की कितनी संभावना आप देखते हैं। जवाब में रावत ने कहा कि आधा उत्तराखंड पंजाब में बसता है। हम फोन पर एक.दूसरे के संपर्क में रहते हैं और वहां किसी को खांसी भी आती है तो हमें यहां पता चल जाता है। मुझे पता चला है कि पंजाब में कांग्रेस बड़े बहुमत से जीत दर्ज करने जा रही है। लोगों का केवल कांग्रेस पर ही भरोसा है। मुख्यमंत्री चन्नी ने साबित कर दिखाया है कि वह एक अच्छे मुख्यमंत्री हैं। उन्होंने यहां मेरी उम्मीद से कहीं ज्यादा अच्छा काम करके दिखाया है। कुछ फैसले उन्होंने खुद लिए और कुछ फैसलों में संशोधन कर उन्हें बेहतर बनाने का प्रयास किया। उन्होंने अपने पांव जमीन पर रखकर कहा कि यह फैसला ऐसे लिया जाएगा। मैं पार्टी प्रभारी के तौर पर जल्दबाजी में था। क्योंकि मैं चाहता था कि सभी फैसले मेरे पद छोड़कर चले जाने से पहले ही ले लिए जाएं। जिस तरीके से उन्होंने अपने फैसलों को सही साबित कर दिखाया उनसे मुझे लगा कि वह सही लिए गए थे।

रावत ने चन्नी को एक बेहद शांत किस्म की शख्सीयत करार दिया और कहा कि उन्होंने दिखा दिया कि मुख्यमंत्री को कैसा होना चाहिए। पंजाब उनके नेतृत्व के गुण को जरूर सराहेगा। वह आनन.फानन में कोई फैसला लेने वाले नेता नहीं। चन्नी को पंजाब का भावी मुख्यमंत्री का चेहरा बनाकर कांग्रेस वाकई बेहद संतुष्ट है। उनके द्वारा कराए गए विकास कार्यों को पूरे देश में खूब सराहा गया।

उन्होंने एक संदेश दिया। पहले लोग सोचा करते थे कि पंजाब जैसे प्रदेश पारंपरिक होते हैं जहां लीक से हटने का सवाल ही नहीं। अब लोग पंजाब को बेहद तरक्की पसंद राज्य के रूप में देखने लगे हैं।

उनसे पूछा गया कि क्या हिंदुओं के वोट कांग्रेस को मिलेंगे तो जवाब में हरीश रावत ने कहा कि कांग्रेस को छोड़कर कौन सा दल प्रदेश में स्थिरता, शांति और विकास ला सकता है। यही तीन पहलू हैं जो हमेशा से पंजाब के हिंदुओं के मन में आते हैं। आप के पास परिपक्व नेतृत्व का सर्वथा अभाव है। हिंदू तो अकालियों के खाते में जाने से रहा। उन्हें लगता है कि यदि वह भाजपा के पास गए तो वह अलग.थलग पड़ जाएंगे। हिंदू चाहेगा कि वह मुख्य बारात में शामिल रहे। ऐसे में वह कांग्रेस के ही साथ जाएंगे। बीते कुछ सालों में मैंने देखा है कि हिंदुओं ने परिपक्व तरीके से फैसले लिए हैं।

उनके फैसले स्थिरता, शांति और विकास के इर्दगिर्द रहते आए हैं। वह आप की ओर नहीं जा सकते और कांग्रेस ने ऐसा कुछ नहीं किया कि उन्हें लगे कि खतरे में हैं। मैंने तो ऐसा कोई फैसला अब तक देखा नहीं। यहां तक कि कैप्टन अमरिंदर सिंह सरकार के कार्यकाल में भी ऐसा हिंदुओं के हितों से इतर कुछ किया गया होगा। ऐसे में मुझे लगता है कि हिंदू कुल मिलाकर कांग्रेस के ही साथ जाएंगे।

जाट सिखों के बारे में रावत का मानना है कि वह भी अकालियों के साथ नहीं जाएंगे क्योंकि उनके पास भी कोई मजबूत जाट सिख चेहरा है। इनमें से कोई भी भाजपा के साथ नहीं जाएगा। अब तो अमरिंदर सिंह का भी पत्ता कट गया है क्योंकि वह भाजपा के साथ चले गए हैं। इन सबके विपरीत हमारे पास नवजोत सिंह सिद्धू हैं जो जाट सिख हैं और हमेशा काम के लिए उपलब्ध हैं। वही एक नेता हैं। वह पीपीसीसी प्रधान हैं। इसलिए साफ है कि यदि कांग्रेस पंजाब विस चुनाव जीतती है तो श्रेय उन्हें ही जाएगा और उसका फायदा भी उन्हें मिलेगा। फिर पार्टी में उनका कद बढ़ जाएगा। फिर हमारे पास सुखजिंदर सिंह रंधावा भी हैं। उन्होंने खुद को साबित कर दिखाया है। उन्होंने दिखाया कि वह एक अच्छे नेता हैं।

## प्रयोगशाला निदेशकों ने संपति के मालिकों पर लगाया हमला करने और जोर-जबरदस्ती का आरोप

चंडीगढ़, 16 फरवरी (जनसत्ता)।

स्थानीय सेक्टर 11 में किराए के परिसर में संचालित की जा रही अग्रणी औषध प्रयोगशाला 'अतुल्य हैल्थकेयर प्राइवेट लिमिटेड' के दो निदेशकों ने यहां उस संपत्ति के मालिकों पर डराने-धमकाने, हमला करने और धमकी देने का आरोप लगाया। आरोपियों में विनोद सिंगला और उनका बेटा करण सिंगला हैं जो सेक्टर 11 में ही एक जानीमानी 'कुमार एंड कंपनी' नामक दवा विक्रता की दुकान चलाते हैं।

इन दोनों पर आरोप है कि उन्होंने अन्य लोगों के साथ मिलकर उक्त प्रयोगशाला परिसर में अपने लोग वहां बिलिंग डेस्क और कैश काउंटर पर लाकर बैठा दिए थे।

यह घटना कल की है जो वहां परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों में भी कैद हुई जिसमें वहां मौके पर धक्का-मुक्की, हंगामा, लात-घूंसे भी चलते नजर आ रहे हैं।

और तो और, सीसीटीवी फुटेज में हमलावरों को प्रयोगशाला के परिसर के अंदर हाथों में लाठियों, डंडों, सरियों आदि से लैस घुसते देखा जा सकता है। इस हमले में वहां प्रयोगशाला की संपत्ति को नुक्सान पहुंचाया गया। दोनों पक्षों की ओर से वहां सेक्टर.11 के थाने में अलग-अलग शिकायत दी गई है।

हालांकि, दुकान के मालिक विनोद सिंगला ने प्रयोगशाला के निदेशकों के आरोपों से इनकार किया है और कहा कि उनके और प्रयोगशाला संचालकों के साथ किए गए करार की शर्तों का उल्लंघन किए जाने के चलते मौके पर महज तीखी बहस हुई थी। उनका कहना है कि दूसरा पक्ष उनके ही रामेश्वर हास्पिटल में महज एक सेवाप्रदाता है। करार की शर्तों के मुताबिक, उनका प्रतिनिधि ही प्रयोगशाला के बिलिंग डैस्क पर तैनात होगा लेकिन उन्होंने इस शर्त का उल्लंघन किया है। बस इसी बात को लेकर मौके पर मामूली सी बहस हुई थी। मैंने भी पुलिस में अपनी ओर से शिकायत दी है।

जो भी हो, हमला करने और डराने-धमकाने की यह घटना उस समय सरेआम हुई जब वहां प्रयोगशाला के भीतर कई ग्राहक भी मौजूद थे और वहां अपने टैस्ट कराने आए थे।

अतुल्य हैल्थकेयर के निदेशक अनुज गुप्ता का कहना है, 'मुझे और एक अन्य निदेशक पंकज कंसल को इस वाकये में चोटें आईं हैं। अब इस घटना को 24 घंटे से भी अधिक समय बीत चुके हैं पर चंडीगढ़ पुलिस ने अब तक इसमें कोई कार्रवाई नहीं की है। यूटी पुलिस दबाव में काम कर रही है। मैंने इलाके के थाना प्रभारी से बात की है, जिन्होंने बताया कि जैसे ही मामले में प्राथमिकी दर्ज होती है तो आपको स्वतः पता चल जाएगा।'

सूत्रों का कहना है कि विनोद सिंगला और उनके बेटे करण सिंगला ने सरवदीप सिंह बराड़ और करीब 10 अन्य लोग कल प्रयोगशाला परिसर में घुसे और वहां मौके पर मौजूद कर्मचारियों से बहसने लगे। उन्होंने वहां मौजूद ग्राहकों से अन्य किसी प्रयोगशाला में जाकर जांच करा लेने को कहा। बाद में इन सभी लोगों को अनुज गुप्ता और पंकज कंसल पर हमला करते देखा गया था।

पुलिस जांच अधिकारी एसआइ मेजर सिंह का कहना है, 'हमने विनोद सिंगला को थाने में बुलाया था। उनकी ओर से भी पुलिस में शिकायत दी गई है। इस प्रकरण में हमला करने, डरान-धमकाने और धमकी देने के आरोपों की जांच की जा रही है। दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। इस प्रकरण में सेक्टर 11 के थाने में डीडीआर दर्ज कर ली गई है।'

## दोआबा में कांग्रेस, 'आप' और अकाली जीत के लिए कर रहे जुगाड़

जलंधर, 16 फरवरी (जनसत्ता)।

पंजाब के दलित बहुल दोआबा क्षेत्र में कांग्रेस को इस बार कड़ी मेहनत करनी पड़ रही है। यहां उसे शिअद की पूरी मशीनरी और युवाओं में आम आदमी पार्टी की बढ़ती लोकप्रियता से टक्कर लेनी पड़ रही है।

दोआबा क्षेत्र में हालांकि बहुत से लोग मुख्यमंत्री पद के लिए चरणजीत सिंह चन्नी को अपनी पसंद बताते हैं क्योंकि राज्य में इस पद पर आने वाले पहले दलित नेता हैं। लोग उन्हें अपना बंदा बता रहे हैं लेकिन उनकी पार्टी के प्रति लोगों का प्यार नहीं उमड़ रहा। दोआबा क्षेत्र में कुछ जगहों पर परांपरिक रूप से भाजपा का पलड़ा भारी रहता है। शिअद भी इस क्षेत्र में ज्यादा से ज्यादा वोटों के लिए पूरी ताकत लगा रही है। इसी बीच राज्य में हमेशा सत्ता में आने वाली कांग्रेस और शिअद सरकारों को रोकने के लिए आम आदमी पार्टी भी पूरी ताकत से जुटी हैं।

दोआबा हलके में चार जिले जलंधर, होशियारपुर, नवांशहर और कपूरथला आते हैं। पंजाब के 117 विधानसभा हलकों में 23 हलके दोआबा से 69 मालवा और 25 माझा से आते हैं।

2017 के चुनाव में दोआबा से कांग्रेस ने 15 सीटें जीती थीं। जबकि शिअद-भाजपा गठबंधन को 5 मिली थीं और आम आदमी पार्टी को 2 सिटों पर ही संतोष करना पड़ा था। इस क्षेत्र में दलित समुदाय पर अपनी पकड़ बनाने के लिए कांग्रेस नेतृत्व में चरणजीत सिंह चन्नी भी मुख्यमंत्री पद का उम्मीद घोषित किया है। हालांकि उनके प्रदेशाध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू भी अड़े हुए थे। क्षेत्र के लोग इस बात पर अलग अलग विचार रखते हैं कि कांग्रेस को जीताया जाए या नहीं।

इसी क्षेत्र में आने वाले सच्चा खंड बल्लां जोकि रविदासिया समुदाय का सामाजिक/ धार्मिक संगठन है, में बुजुर्ग लोग और सेवक अपने मोबाइल फोन पर चन्नी के भाषण और साक्षात्कारों को ध्यान से सुनते दिखाई देते हैं। लेकिन क्षेत्र के गांवों में लोग 'हाथी' को ही प्राथमिकता दे रहे हैं।

पंजाब में पहले 14 फरवरी को चुनाव होने थे लेकिन 16 फरवरी को रविदास जयंती की वजह से इन्हें स्थगित कर दिया गया। इसी से इस समुदाय का महत्त्व का पता चलता है।

बल्लां गांव के अवतार सिंह (70) ने कहा, हमारा परिवार परंपरिक रूप से अकालियों को ही वोट देता आया है। इस बार अकाली बसपा का गठबंधन है तो हम 'हाथी' को ही वोट देंगे।

उन्हीं के साथी दर्शनपाल ने चन्नी की तारिफ करते हुए कहा, 'आप देखना इस बार हमारा अपना आदमी मैदान में है इसलिए हमें मतदान करते समय इस बात का ध्यान रखना चाहिए।' वहीं पर बैठे अन्य लोगों ने भी दर्शनपाल का समर्थन किया। उनका कहना था कि चन्नी ने पहले भी डेरे के लिए कई घोषणाएं कीं।

इस क्षेत्र में डेरे का काफी प्रभाव है। इसमें दलितों की आबादी 33 प्रतिशत से ज्यादा है। उनमें ज्यादातर रविदासी ही हैं। बातचीत के दौरान भी ज्यादातर लोग 'नवीं सरकार' और 'एतकी बदलाव' की बात करते हैं।

क्षेत्र के ज्यादातर लोगों का कहना है कि इस बार गांवों में नई पार्टी की ही हवा है। यहीं के एक अकाली कार्याकर्त्ता हरप्रीत सिंह ने कहा, 'झाड़ू हवा में उड़ रहा है लेकिन इसके लिए वोट लाने के लिए मैदान में सरपंच और कार्याकर्त्ता नहीं हैं।'

पंजाब की इस एनआरआइ बैल्ट में बेरोजगारी का मुद्दा भी काफी अहम है। होशियारपुर के रूढ़काकलां गांव के सरबजीत सिंह, जिनका बेटा विदेश में रहता है, ने कहा, 'यहां पर लोग जनप्रमाण पत्र और आधार कार्ड से ज्यादा अहमियत पासपोर्ट को देते हैं ताकि वह विदेशों में जा सकें। यहां पर नौकरियां है ही नहीं।' दोआबा के गांवों से मुख्य शहरों की तरफ जाते समय रास्ते में भाजपा के होर्डिंग तो दिखाई देते हैं। खासतौर पर जलंधर शहर में तो राष्ट्रीय स्वंयसेवक संग का तो काफी प्रभाव है। स्थानीय भाजपा नेता जलंधर उत्तरी से पार्टी प्रत्याशी केडी भंडारी, जलंधर वेस्ट मोहिंदर भगत, जलंधर सेंट्रल से मनोरंजन कालिया और फगवाड़ा से पूर्व केंद्रीय मंत्री विजय सांपला की जीत के प्रति आश्वस्त नजर आते हैं।

## पाक के लोगों के नहीं, वहां के शासकों के खिलाफ:कैप्टन

मलेरकोटला, 16 फरवरी (जनसत्ता)।

पूर्व मुख्यमंत्री और पंजाब लोक कांग्रेस के अध्यक्ष कैप्टन अमरिंदर सिंह ने आज यहां कहा कि वह पाकिस्तान के लोगों के खिलाफ नहीं, बल्कि पाकिस्तान के शासकों और सेना के खिलाफ हैं, जो हमेशा भारत में अस्थिरता पैदा करने की कोशिश करता रहा है और सीमा पर भारतीय सैनिकों को मार रहे हैं। मलेरकोटला और अमरगढ़ से पार्टी प्रत्याशी फरजाना आलम और सरदार अली के समर्थन में आज यहां जनसभाओं को संबोधित करते हुए कैप्टन अमरिंदर सिंह ने कहा कि ये चुनाव पंजाब का भविष्य तय करने वाले हैं, क्योंकि पंजाब कई चुनौतियों का सामना कर रहा है जो केवल केंद्र और पंजाब सरकार की डबल इंजन सरकार ही कर सकती है।

पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने कहा कि आजादी से पहले पटियाला की 40 फीसद आबादी मुस्लिम थी और उनमें से ज्यादातर पाकिस्तान चले गए थे और जब उन्होंने मुख्यमंत्री के रूप में अपने आखिरी कार्यकाल के दौरान पाकिस्तान का दौरा किया तो लोगों द्वारा उनका बहुत सम्मान किया गया था। उन्होंने कहा कि वह दोनों देशों के बीच अच्छे संबंधों का पुरजोर समर्थन करते हैं, लेकिन पाकिस्तान के प्रधानमंत्री और पाकिस्तानी सेना भारत के प्रति नफरत फैला रहे हैं जो अस्वीकार्य है।

आम आदमी पार्टी द्वारा भगवंत मान को मुख्यमंत्री पद के लिए नामित किए जाने पर कैप्टन अमरिन्दर सिंह ने कहा कि वह एक अच्छे अभिनेता थे, जिन्होंने लोगों का मनोरंजन किया और टेलीविजन पर लोगों को हंसाया। लेकिन सरकार चलाना मनोरंजन से ज्यादा गंभीर है। उन्होंने चेतावनी दी कि पंजाब को एक गंभीर और समझदार नेतृत्व की जरूरत है जो न केवल राज्य की सुरक्षा का ख्याल रखे बल्कि पंजाब को विभिन्न समस्याओं से उबार सके। पूर्व मुख्यमंत्री ने राहुल गांधी के मुख्यमंत्री पद के लिए एक 'गरीब' उम्मीदवार को नामित करने के दावे का मजाक उड़ाया। उन्होंने कहा कि चन्नी के पास सैकड़ों करोड़ की संपत्ति है और वह चुनाव लड़ने वाले सबसे अमीर उम्मीदवारों में से एक हैं। उन्होंने कहा कि सिर्फ गरीब होने से कोई मुख्यमंत्री बनने के योग्य नहीं हो सकता।

लोगों से पंजाब लोक कांग्रेस के उम्मीदवारों को बेहतर भविष्य के लिए चुनने का आग्रह करते हुए, उन्होंने याद दिलाया कि उन्होंने मलेरकोटला को जिला बनाने के साथ-साथ यहां एक मेडिकल कॉलेज बनाने की घोषणा की थी। उन्होंने प्रदेश में भाजपा-पीएलसी-शिरोमणि अकाली दल (संयुक्त) की सरकार बनने पर शहर में विश्वविद्यालय स्थापित करने का वादा किया।

## सीबीएसई के स्कूलों में बोर्ड परीक्षा के आयोजन पर भड़के स्कूल संचालक

चंडीगढ़, 16 फरवरी (जनसत्ता)।

हरियाणा सरकार द्वारा प्रदेश में थोपी गई आठवीं कक्षा की बोर्ड की परीक्षा के विरोध में हरियाणा के विभिन्न निजी स्कूल संघ एकजुट हो गये हैं। निजी स्कूलों के प्रतिनिधियों के अनुसार यह तुगलकी फरमान स्कूली प्रबंधन के साथ-साथ विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों को मंजूर नहीं।

बुधवार को चंडीगढ़ में आयोजित एक प्रैस कांफ्रैंस के दौरान प्रोग्रेसिव स्कूल्स कांफ्रैंस,हरियाणा यूनाइटिड स्कूल्स एसोसिएशन,हरियाणा प्राईवेट स्कूल्स एसोसिएशन,करनाल इंडिपेंडेंट स्कूल्स एसोसिएशन और रिकोगनाइज्ड एनऐडिड प्राईवेट स्कूल्स एसोसिएशन के प्रतिनिधियों ने सरकार के इस प्रस्ताव के खिलाफ मोर्चा खोल दिया।

एचपीएससी के उपाध्यक्ष सुरेश चन्द्र ने बताया कि सरकार का फरमान पूर्ण रुप से नियमों के विरूद्ध था जिसे लेकर निजी स्कूलों द्वारा जब कोर्ट का दरवाजा खटखटाया तो सरकार ने हाथो हाथ इस आदेश को वापस ले लिया और शिक्षा के अधिकार (राईट टू एज्यूकेशन) 2011 में 17 जनवरी को संशोधन कर दोबारा से स्कूलों पर थोपने का काम किया है। सुरेश चन्द्र ने कहा कि विद्यार्थियों पर आर्थिक और परीक्षा के दबाव को लेकर मानसिक बोझ डालने के हक में नहीं हैं। आठवीं की बोर्ड परीक्षा का आयोजन कर आर्थिक बदहाली झेल रहा शिक्षा बोर्ड स्कूलों और अभिभावकों पर आर्थिक बोझ डाल रहा है। प्रति विद्यार्थी की रजिस्ट्रेशन के नाम पर पांच हजार रुपये का शुल्क, एनरोलमेंट पर एक सौ रुपये और वार्षिक परीक्षा शुल्क के लिये 450 रुपये निर्धारित कर बोर्ड ने पैसे कमाने का एक जरिया बना लिया है जिसे स्कूलों और अभिभावकों को बिल्कुल मंजूर नहीं है।

## पंजाब के मुख्यमंत्री का बयान कांग्रेस की तानाशाही प्रवृति का परिचायक: विज

### लोकतंत्र में कोई भी सर्वेसर्वा नहीं होता पंजाब में नशा, रेत व भू माफिया को कांग्रेस ने किया मजबूत

चंडीगढ़, 16 फरवरी (जनसत्ता)।

हरियाणा के गृह एवं स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज ने पंजाब के मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी के बयान पर कटाक्ष करते हुए कहा है कि चरणजीत सिंह चन्नी का बयान कांग्रेस की तानाशाही प्रवृति का परिचायक है।

चरणजीत चन्नी ने कहा था कि मुख्यमंत्री के पास सारी ताकत होती है। विज ने आज ट्वीट करके कहा कि पंजाब में कांग्रेस के घोषित मुख्यमंत्री उम्मीदवार चरणजीत चन्नी का यह कहना कि मुख्यमंत्री के पास सारी ताकत होती है कांग्रेस की तानाशाही प्रवृति का परिचायक है। लोकतंत्र में कोई भी सर्वेसर्वा नहीं होता। लोगों का अपने विधायक पर और विधायको का अपने मुख्यमंत्री पर सदा असर रहता है।

विज ने कहा कि चैक एंड बैलेंस के फार्मुले पर लोकतंत्र बना है और हर कदम के ऊपर एक-दूसरे का असर/दबाव रहता है इसलिए ऐसी सोच वाले व्यक्ति को चुनाव में खड़ा नहीं होना चाहिए और लोकतंत्र के इस पर्व में हिस्सा ही नहीं लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि पंजाब की जनता से आग्रह करते हुए कहा कि अगर ऐसी सोच वाला व्यक्ति चुनाव में खड़ा भी हो जाएं तो पंजाब के लोगों को ऐसी सोच वाले लोगों को धरती चटानी चाहिए और उनकी सोच को ठीक स्थान पर लानी चाहिए।

गृह मंत्री ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को निशाने पर लेते हुए कहा कि पांच साल से पंजाब में कांग्रेस का राज है। नशे का कारोबार तो कांग्रेस के राज में बढा, रेत माफिया का कारोबार कांग्रेस के राज में बढ़ा, भू माफिया का कारोबार कांग्रेस के राज में बढ़ा, तो उसके बारे में राहुल गांधी जी कुछ नहीं बोलेंगे लेकिन पंजाब की जनता सयानी है, ये गुरूओं की धरती के लोग हैं, ये सच अच्छी तरह से पहचानते हैं और सब कुछ जानते हैं।

## भगवान राम को लेकर 'आप' के आधिकारिक व्हाट्सएप समूह में आपत्तिजनक टिप्पणी, विहिप ने दी शिकायत

चंडीगढ़, 16 फरवरी (जनसत्ता)।

विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने एसएसपी विंडो पर आम आदमी पार्टी (आप) के कार्यकर्ता के खिलाफ शिकायत दी है। विहिप ने शिकायत में बताया है कि 'आप' चंडीगढ़ के आधिकारिक व्हाट्सएप समूह में भगवान राम को लेकर एक कार्यकर्ता ने आपत्तिजनक टिप्पणी की है। इस पर दूसरे कार्यकर्ताओं ने एतराज भी जताया, उसके बावजूद संबंधित व्यक्ति पर पार्टी ने कोई कार्रवाई नहीं की। इस समूह में पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष प्रेम गर्ग भी ग्रुप एडमिन हैं।

विहिप के विभाग मंत्री सुभाव गोयल ने बताया कि 'आप' कार्यकर्ता संजीव राही ने भगवान राम को लेकर अपनी पार्टी के ही व्हाट्सएप समूह में आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। इस व्हाट्सएप समूह के एडमिन पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष प्रेम गर्ग सहित दो अन्य लोग हैं। इस समूह में संजीव राही की ओर से डाली गई पोस्ट पर पार्टी के ही अन्य कार्यकर्ताओं ने नाराजगी जताई है।

उनका कहना है कि पार्टी के विचारों को लेकर सहमति हो सकती है, लेकिन भगवान राम को लेकर यह टिप्पणी मान्य नहीं है। इसके बावजूद पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने संजीव राही के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की है।

विहिप चंडीगढ़ के प्रभारी सुरेश राणा ने बताया कि इस संबंध में पुलिस को शिकायत दे दी है। संबंधित व्यक्ति के खिलाफ उचित कार्रवाई नहीं हुई तो विहिप प्रदर्शन करने को बाध्य होगी।

**HIRA AUTOMOBILES LIMITED**

**Regd. Office : # 598, Sector 18-B, Chandigarh** | CIN:- L50101CH1989PLC009500
Tel:0172-2743462 | Email : hiraaccounts@gmail.com | www.hiraautomobiles.com

Extract of Un-Audited Standalone Financial Results for the quarter and Nine months ended on 31st December, 2021.
(Rs. In Lakhs except EPS data)

| S. N. | Particulars | Quarter ending 31.12.2021 unaudited | Nine months ending 31.12.2021 unaudited | Quarter ending 31.12.2020 unaudited |
|---|---|---|---|---|
| 1 | Total Income from operations | 6043.24 | 14835.48 | 7027.94 |
| 2 | Net Profit/(Loss) for the period (before tax, Exceptional and/or Extraordinary items) | 79.99 | 9.43 | 60.45 |
| 3 | Net Profit/(Loss) for the period before tax (after Extraordinary items and/or Extraordinary items) | 79.99 | 9.43 | 60.45 |
| 4 | Net Profit/(Loss) for the period after tax (after Extraordinary items and/or Extraordinary items) | 76.99 | 6.43 | 60.45 |
| 5 | Equity Share Capital | 275.34 | 275.34 | 275.34 |
| 6 | Reserves(excluding Revaluation Reserve as shown in the Balance Sheet of Previous Year) | 892.84 | 892.84 | 886.41 |
| 7 | Earnings Per Share before extraordinary items)(of Rs 10/-each) | | | |
| | Basic: | 2.80 | 0.23 | 2.20 |
| | Diluted: | 2.80 | 0.23 | 2.20 |

Note: The above is an extract of the detailed format of quarterly Financial Results for quarter and Nine months ended **31st December, 2021** filed with the Stock Exchanges under Regulation 33 of the SEBI (Listing Obligation and Disclosure Requirements) Regulations, 2015. The full format of above Results is available on the websites of Company at www.hiraautomobiles.com and BSE Limited at wwwbseindia.com.

**For Hira Automobiles Ltd.**
Rahulinder Singh Sidhu
(Director)
DIN-00447452

Place : Chandigarh
Date : 14.02.2022

**दलील** मालवा क्षेत्र के मतदाताओं ने कहा, सभी राजनीतिक दलों के झूठे वादों से तंग आ चुके हैं

## 'बाकी सब तो ठीक, पर इस बार बदलाव के लिए ही होगा वोट'

चंडीगढ़, 16 फरवरी (जनसत्ता)।

पंजाब के मोहाली जिले के खरड़ विधानसभा हलके में चटक धूप की सुबह के बीच 'कौशल स्वीट्स' नामक एक मिठाई की दुकान पर 55 साल के बसेसर नाथ कौशल और उनके मित्र सुखविंदर सिंह आगामी पंजाब विधानसभा चुनाव में जीत-हार पर चर्चा में मशगूल हैं। उनकी बातचीत में एक बात निकलकर सामने यह आई कि अड़ियल व्यवस्था और उसके व्यवस्थापकों की सोच पर दोनों दोस्त बेहद निराश हैं और उनका कहना है कि यह किसी सूरत में नहीं बदलने वाला। अब दोनों ने इस बार पंजाब में बदलाव के लिए वोट करने का निर्णय लिया है।

इसी बहस को आगे बढ़ाते हुए कौशल कहते हैं, 'पहले तो मैंने वोट नहीं देने का मन बनाया था लेकिन अब मैंने बदलाव के लिए मतदान करने का फैसला कर लिया है। इस वार जो वी हो जावे, असीं बदलाव लई वोट करना ऐ। मैं तां इन सारेयां राजनीतिक दलां तों अक्क चुकेयां हां। ऐ सारे वारी-वारी जनता नूं लुट्टण आंउंदे ने। इस बारी हम अपनी आंखें मूंदकर तीसरे मोर्चे के हक में वोट देंगे।' और सुखविंदर सिंह उनकी बात का समर्थन करते हुए हामी में सिर हिलाते हैं।

खुद को पहले अकाली समर्थक बताते हुए सुखविंदर सिंह यहां से वहां और वहां से यहां उछलकूद में लगे नेताओं के बारे में कहते हैं, 'ऐ सारे रलेमिले होए नें। डड्डू छाल मारके कदी औदर, कदे डड्डू छाल मारके ऐदर।'

इनका इकलौता मंत्र अपने घर भरना है न कि जनता या प्रदेश का भला करने की बाबत सोचना। वैसे सुखविंदर सिंह खरड़ के समीपवर्ती गांव मजात के रहने वाले हैं।

दूसरी ओर, हलका चमकौर साहिब में गांव पोपना वासी कौशल का कहना है, 'मैं दशकों तक कांग्रेस का कार्यकर्ता रहा लेकिन बीते पांच साल में किसी ने भी हमें आकर नहीं पूछा। पंजाब में हमारी सरकार रही और बावजूद इसके हम अपने लोगों के काम नहीं करा पाए। ऐहो जेही पार्टी दा असीं की करणा।'

कौशल ने आगे बताया, युवा तो आम आदमी पार्टी के हक में वोट देगा क्योंकि उन्हें खाने को भुक्की और पीने को शराब मिल जानी है और वह पारंपरिक दलों के हक में हवा बनाते नजर आएंगे लेकिन वोट आप को डालेंगे। झाड़ू चलना ऐसा वारी। हर कोई जानता है कि हमारे नेता कैसे पांच साल में करोड़पति बन गए। मैंनू दस्सो नुकसान किस दा होया। मालवा के अधिकांश जिलों में, खासकर गांवबहुल इलाकों में तो इस बार बदलाव की जबर्दस्त हवा चल रही है। लेकिन इसे सुन कोई नहीं पा रहा। साल 2017 के पंजाब विस चुनाव में भी मालवा आप के लिहाज से बहुत अच्छा रहा था लेकिन तब भी वह पंजाब के सबसे बड़े इलाके मालवा की 69 में से केवल 20 सीटें जीत पाए थे।

झंजेड़ी से मात्र कुछ ही किलोमीटर दूर राजपुरा की आजाद मार्केट में गुरप्रीत सिंह रामगढ़िया अपनी मोटर मेकेनिक की दुकान चलाते हैं और उनका कहना है, 'पिछली बार युवाओं में 'आप' को लेकर बड़ा क्रेज था लेकिन तब भी हमने अमरिंदर सिंह को वोट डाला था। उन्होंने गुटका साहिब हाथ में लेकर सौगंध खाई थी तो हमने भी उन पर भरोसा कर लिया लेकिन इस बार हम मौका नहीं गंवाएंगे। पंजाब च नवीं सरकार आएगी तां ही कुछ सुधार होएगा।'

घनौर में रेशम कौर को भी कुछ ऐसा ही लगता है और उनका कहना है, 'मन बणा लेया ऐ इस वारी झाड़ू ने ही औणा।'

अमरगढ़ के गांव मणक माजरा वासी प्लंबर अवतार सिंह भी बदलाव लाने को बेताब हैं और उनका कहना है, 'लोक तां बदलावा चाहंदे ने, कैप्टन ने बड़े वादे किते सी। की चिट्टा खतम होया। जा के पूछ लवो पिंड विच। होर महंगा हो गया।'